मूल्य 1 रु.
वर्षः 15 - अंक : 53, मुंबई, गुरुवार, 12 जून, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

'आखिरी' लड़ाई के लिए यूबीटी ने कसी कमर

उद्धव के स्पेशल 12

मुंबई पर टिकी ठाकरे की उम्मीदें

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। अक्टूबर 2025 में संभावित मुंबई महानगरपालिका (मनपा) सहित महाराष्ट्र के अन्य निकाय चुनाव का बिगुल कभी भी बज सकता है। इसके लिए बीजेपी सहित सभी राजनीतिक दल अपने स्तर पर तैयारी कर रहे हैं। लेकिन सभी की निगाहें मुंबई पर टिकी हैं। क्योंकि स्थानीय निकाय चुनावों में मुंबई मनपा का चुनाव सबसे अहम माना जाता है। मुंबई मनपा देश की सबसे अमीर महानगर पालिका है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

सड़क विकास के नाम पर महाराष्ट्र के लोगों से वसूला 2,11,05,00,00,000

टोल टैक्स

आंकड़े उड़ा देंगे होश

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। भारत में सड़क विकास के नाम पर केंद्र सरकार ने पिछले पांच सालों में 2.2 लाख करोड़ रुपये तक टोल वसूला है। टोल टैक्स देने में महाराष्ट्र ने भी बहुत बड़ी जिम्मेदारी निभाई है। महाराष्ट्र बड़े राज्यों को भी पीछे छोड़कर सबसे ज्यादा टोल टैक्स भरने वालों में पहले नंबर पर आ चुका है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के आंकड़ों के अनुसार, यह बड़ी रकम 2020-21 से 2024-25 (फरवरी तक) के दौरान नागरिकों से टोल के जरिए वसूली गई। गौरतलब है कि अकेले महाराष्ट्र के लोगों ने 21,105 करोड़ रुपये का टोल चुकाया है, जो देश में चौथे नंबर पर है। महाराष्ट्र इन चार जिलों में टोल टैक्स देने वालों में सबसे आगे है। इस पांच साल की अवधि में उत्तर प्रदेश (27,014 करोड़ रुपये), राजस्थान (24,209 करोड़ रुपये), गुजरात (21,607 करोड़ रुपये) राज्यों ने भी बड़ी मात्रा में टोल चुकाया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी

अब रिटायरमेंट के बाद भी होगी नियुक्ति, 80 हजार होगी सैलरी

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) सरकारी अधिकारियों के तजुर्बे का लाभ उठाने के लिए एक बड़ी योजना बनाई है। सरकार ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को विभिन्न विभागों में संविदा के आधार पर शासकीय/अर्द्धशासकीय सेवाओं में नियोजित करने का निर्णय लिया गया है। इसके अनुसार शासकीय कार्यालयों एवं प्रतिष्ठानों में अधिकारियों के कुल पदों के 10 प्रतिशत पदों पर सेवानिवृत्त अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी तथा वे 65 वर्ष की आयु तक तथा उसके बाद भी यदि वे सक्षम हैं तो अधिकतम 70 वर्ष की आयु तक शासन की सेवा कर सकेंगे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

राज कुशवाह को भी धोखा देने वाली थी सोनम

किसी तीसरे प्रेमी के साथ फरार होने की थी योजना!

मुंबई हलचल/संवाददाता

इंदौर। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में रोज नए-नए खुलासे हो रहे हैं। पत्नी सोनम सहित अन्य हत्यारोपितों की गिरफ्तारी से तो इतना तय हो गया है कि इन्हीं लोगों ने राजा रघुवंशी की हत्या की। अभी भी कुछ अनसुलझे सवाल हैं, जो परत दर परत पुलिस की पूछताछ में खुल रहे हैं। अभी यह साफ होना बाकी है कि इस मर्डर मिस्ट्री का मास्टरमाइंड कौन है। शिलॉन्ग पुलिस के मुताबिक अभी तक हत्या के असली मास्टरमाइंड नहीं पता चला है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

भाई, प्रेमी या सोनम का मोहरा था राज : सूत्रों के मुताबिक अभी तक पूछताछ के दौरान किसी भी तीसरे व्यक्ति का नाम सामने नहीं आया है। अभी उसका खुलासा होना बाकी है। खास बात यह है कि यदि ऐसा कुछ होता तो परिवार के लोगों को जरूर कुछ पता होता। राज कुशवाह का परिवार सोनम से अफेयर होने की बात नाकार रहा है, बल्कि राज के परिजनों का कहना है कि वह सोनम को दीदी कहता था। इतना ही नहीं सोनम राखी भी राज को बांध चुकी है। अब बड़ा सवाल यह कि यदि राज और सोनम के बीच कुछ नहीं चल रहा था तो राज ने राजा की हत्या क्यों की?

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

राह में आई रुकावटें

अमेरिका ने साफ कर दिया है कि उसने आखिरी प्रारूप रख दिया है। अब भारत को फैसला करना है कि वह उसे स्वीकार है या नहीं। अगर स्वीकार नहीं है, तो नौ जुलाई से उस पर 26 फीसदी टैरिफ लग जाएगा।

अमेरिकी टीम पिछले भारत आई, तो चर्चा थी कि इस यात्रा के दौरान द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) का पहला चरण संपन्न हो जाएगा। अमेरिका के सहायक व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडेन लिंच के नेतृत्व में ये टीम दो रोज के लिए भारत आई। बात आगे नहीं बढ़ी, तो वार्ता दो दिन और बढ़ा दी गई। मगर मंगलवार को जब बातचीत पूरी हुई, तब तक गतिरोध बना रहा। अब टीम अमेरिका लौट रही है। कहा गया है कि आगे वर्चुअल माध्यम से बातचीत होगी। अधिकारियों के हवाले से मीडिया में आई खबरों के मुताबिक अमेरिकी दल कृषि, दुग्ध, और ई-कॉमर्स क्षेत्र में भारतीय बाजार को पूरी तरह खोलने की अपनी मांग पर अड़ा रहा। साथ ही उसने साफ कर दिया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने 10 प्रतिशत का जो सामान्य आयात शुल्क दुनिया के सभी देशों पर लगाया है, वह बीटीए के बाद भी भारतीय निर्यात पर जारी रहेगा। भारतीय दल इन अमेरिकी मांगों पर सहमत नहीं हुआ। उसने अमेरिकी ड्राई फ्रूट्स और उसके कुछ अन्य उत्पादों पर आयात शुल्क और घटाने की पेशकश की, मगर उससे अमेरिकी दल संतुष्ट नहीं हुआ। खबरों के अनुसार अमेरिका ने साफ कर दिया है कि उसने समझौते का आखिरी प्रारूप पेश कर दिया है। अब यह भारत को फैसला करना है कि वह उसे स्वीकार है या नहीं। अगर स्वीकार नहीं है, तो नौ जुलाई से उस पर 26 फीसदी का लिबरेशन डे टैरिफ लग जाएगा। अमेरिकी मांग मानी गई, तो उसका भारत के किसानों, डेयरी उद्योग से जुड़े लोगों और किराना दुकानदारों पर मारक असर होगा। तो आशंका के बादल इस हद तक गहराए हैं कि आरएसएस से जुड़े संगठन स्वदेशी जागरण मंच ने भी ई-कॉमर्स में विदेशी कंपनियों के लिए संभावित खुली छूट के खिलाफ आंदोलन का एलान कर दिया है। किसान संगठन पहले ही सरकार को चेतावनी दे चुके हैं। इसलिए भारत सरकार के लिए अमेरिकी मांगों को मानना आसान नहीं है। नतीजा बीटीए का फिलहाल गतिरुद्ध हो गया रास्ता है। अब बेहतर यह होगा कि केंद्र इस मसले पर सभी राजनीतिक दलों एवं संबंधित हितों को भरोसे में लेते हुए राष्ट्रीय आम सहमति बनाए।

हाय रे मेरी किस्मत! पेंड्रा की वो भालू वाली ट्रेनिंग

संस्मरण/लेखक
संजय सोंधी उप सचिव
भूमि एवं भवन विभाग
दिल्ली सरकार

लगभग 14 साल पहले की बात है, जब मैं बिलासपुर के पास एक गवर्नमेंट हायर सेकेंडरी स्कूल में लेक्चरर था। जिंदगी में सब कुछ ठीक-ठाक चल रहा था, सिवाय इसके कि सरकार को हर साल हमें इन-सर्विस ट्रेनिंग के नाम पर तंग करने का शौक था। बस, उसी शौक के चलते मुझे पेंड्रा भेज दिया गया, बिलासपुर से करीब 110 किलोमीटर दूर, जहां डाइट (जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान) में पांच दिन की ट्रेनिंग थी। अरे, पांच दिन क्या, पांच जन्मों की सजा लग रही थी! पेंड्रा, यार, वो जगह जो मरवाही डिवीजन में आती है। अब मरवाही का जंगल सुनने में तो बड़ा रोमांटिक लगता है, लेकिन वहां भालुओं की ऐसी भरमार है कि लगता है इंसान वहां मेहमान हैं और भालू मालिक! वहां भालू का शहर में घुस आना वैसा ही आम था, जैसे हमारे मोहल्ले में कुत्ते का भौंकना। कोई नई बात नहीं। लेकिन उस ट्रेनिंग के दौरान जो हुआ, वो तो मेरी जिंदगी का सबसे मसालेदार किस्सा बन गया। तो हुआ यूं कि ट्रेनिंग का दूसरा या तीसरा दिन था। रात को हम सब डाइट के हॉस्टल में खर्राटे मार रहे थे। लेकिन एक भालू भाई, जो शायद जंगल के सबसे उत्साही प्राणी थे, ने सोचा, क्यों ना आज रात कुछ स्पेशल किया जाए? बस, वो रात के अंधेरे में एक पेड़ पर चढ़ गए और वहां मधुमक्खियों का छत्ता देखकर उनकी आत्मा तृप्त हो गई। भालू भाई ने छत्ते से शहद चूसना शुरू किया और ऐसा चूसना शुरू किया कि जैसे कोई फ्री का बुफे मिल गया हो। अब भालू को तो रात में पेड़ से उतरकर जंगल में वापस जाना था, लेकिन शहद का लालच ऐसा कि सुबह हो गई और वो वहीं पेड़ पर जमे रहे, शहद चटकारे ले-लेकर खाते हुए। सुबह-सुबह कुछ स्थानीय लोग, जो शायद सुबह की सैर पर निकले थे, ने उस भालू को पेड़ पर देख लिया। अब हमारे देश में भीड़ का दिमाग तो आप जानते ही हैं। किसी ने कहा, अरे, भालू है! इसे भगाओ! और किसी जीनियस ने तुरंत सुझाव दिया, चलो, टायर जलाते हैं! बस, फिर क्या था? लोगों ने पेड़ के नीचे पुराने टायर और ट्यूब इकट्ठा किए और आग लगा दी। धुआं, बदबू, और हंगामा! बेचारा भालू, जो शहद के नशे में मस्त था, अब धुएं में फंस गया। नीचे आग, ऊपर शहद, और बीच में भालू भाई की फटी पड़ी थी। अब किसी समझदार ने फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को खबर कर दी। फॉरेस्ट वाले आए, बड़े साहब बनकर। रस्सियां, जाल, और न जाने क्या-क्या लेकर भालू को पेड़ से उतारा। अब उतारने के बाद भालू को सीधे बिलासपुर के पास कनन पेंडारी जू भेज दिया गया। हां, वही जू, जहां जानवरों को सरकारी नौकरी मिलती है! अब वो भालू भाई सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक पिंजरे में टहल-टहलकर अपनी ड्यूटी निभा रहे हैं। शहद का लालच और वो एक रात की मौज ने उनकी आजादी छीन ली। तो भैया, इस कहानी का सबक ये है कि लालच बुरी बला है। शहद के चक्कर में भालू की जिंदगी जू में गुजर रही है मैं अच्छी तरह समझ गया कि लालच बहुत बुरी बला है, पेंड्रा की वो ट्रेनिंग? वो तो बस एक बहाना था, असली मसाला तो भालू भाई ने दिया!

(यह संस्मरण एक सच्ची घटना पर आधारित है)

ज़ूम ने की छह टेलीकॉम सर्किलों में ज़ूम फ़ोन की शुरुआत की

मुंबई। ज़ूम कम्युनिकेशंस, इंक. (NASDAQ: ZM) ने आज भारत में चार प्रमुख मेट्रो टेलीकॉम सर्किलों-मुंबई, दिल्ली एनसीआर, कर्नाटक (बेंगलुरु), और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना (हैदराबाद) में अपनी उद्योग-अग्रणी ज़ूम फ़ोन सेवा के और विस्तार की घोषणा की। दिल्ली एनसीआर टेलीकॉम सर्किल में केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली, गाजियाबाद, फरीदाबाद, नोएडा और गुड़गांव शामिल हैं। दूरसंचार विभाग (DoT) भारत द्वारा लाइसेंस प्राप्त, ज़ूम फ़ोन अब भारत में छह टेलीकॉम सर्किलों में उपलब्ध है, जिसमें महाराष्ट्र (अक्टूबर 2024) और तमिलनाडु (चेन्नई) टेलीकॉम सर्किल (फ़रवरी 2025) शामिल हैं, जिससे देश के प्रमुख व्यवसाय और प्रौद्योगिकी केंद्र शामिल हो गए हैं। ज़ूम ने भारत भर में अतिरिक्त टेलीकॉम सर्किलों में ज़ूम फ़ोन लाने की भी योजना बनाई है, जिससे भारत के प्रमुख राज्यों में अधिक संगठनों को AI-प्रथम आधुनिक टेलीफ़ोनी उपलब्ध कराने की उसकी प्रतिबद्धता में तेज़ी आएगी। ज़ूम के उत्पाद और इंजीनियरिंग के अध्यक्ष वेलचामी शंकरलिंगम ने कहा कि ज़ूम फ़ोन वितरित कार्यबल के लिए सरलता और आधुनिक कार्यक्षमता प्रदान करके क्लाउड टेलीफ़ोनी की बढ़ती मांग को संबोधित करता है। भारत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाज़ार है, और छह प्रमुख दूरसंचार सर्किलों से परे हमारी विस्तार योजनाएँ ग्राहकों को एकीकृत कार्य प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती हैं। यह विस्तार ज़ूम फ़ोन को मिल रहे बढ़ते आकर्षण को भी दर्शाता है, विशेष रूप से बहुराष्ट्रीय कंपनियों से, क्योंकि भारत में व्यवसाय लीगेसी पीबीएक्स सिस्टम से हटकर अधिक लचीले, एआई-प्रथम सहयोग समाधानों की ओर बढ़ रहे हैं जो कर्मचारी उत्पादकता को बढ़ाते हैं। हमें खुशी है कि ज़ूम फ़ोन अब भारत के छह सबसे प्रमुख व्यावसायिक और प्रौद्योगिकी केंद्रों में उपलब्ध है। इनमें से प्रत्येक शहर स्थानीय उद्यमों और बहुराष्ट्रीय निगमों के संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र का घर है, जो ज़ूम फ़ोन के लचीलेपन और उनके मौजूदा वर्कफ़्लो में सहज एकीकरण से लाभान्वित होंगे। ज़ूम फ़ोन को अतिरिक्त दूरसंचार सर्किलों में लाना विश्वसनीय, आधुनिक AI-प्रथम टेलीफ़ोनी तक पहुँच के साथ अधिक संगठनों को सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता में एक स्वाभाविक अगला कदम है, ज़ूम में भारत और SAARC क्षेत्र के महाप्रबंधक और प्रमुख समीर राजे ने कहा। "ज़ूम फ़ोन और ज़ूम संपर्क केंद्र संगठनों को एकीकृत संचार और बेहतर ग्राहक और कर्मचारी जुड़ाव प्रदान करने के लिए एक साथ सहजता से काम करने के उद्देश्य से बनाए गए हैं। इस लॉन्च के साथ, हम व्यवसायों को सहयोग को सुव्यवस्थित करने, लचीले कार्यबल का समर्थन करने और कर्मचारी और ग्राहक अनुभव को बढ़ाने में मदद करने के लिए उत्साहित हैं। ज़ूम फ़ोन व्यवसायों को सरलता और आधुनिक कार्यक्षमता प्रदान करता है, गतिशील कार्यशैली और हाइब्रिड टीमों को सशक्त बनाता है। मौजूदा भुगतान किए गए ज़ूम ग्राहकों के लिए ऐड-ऑन के रूप में उपलब्ध यह पब्लिक स्विच्ड टेलीफ़ोन नेटवर्क (PSTN) के माध्यम से इनबाउंड और आउटबाउंड कॉलिंग का समर्थन करता है, जिससे उद्यमों को लीगेसी प्राइवेट ब्रांच एक्सचेंज (PBX) सिस्टम को बदलने और ज़ूम वर्कप्लेस में एकल AI-प्रथम प्लेटफ़ॉर्म पर संचार आवश्यकताओं को समेकित करने में सक्षम बनाता है। ज़ूम फ़ोन ज़ूम संपर्क केंद्र के साथ भी सहजता से एकीकृत होता है, जिससे ज़ूम संपर्क केंद्र के वातावरण में कॉल ट्रांसफ़र, कॉल फ़ॉरवर्डिंग और कॉल रिकॉर्डिंग जैसी सुविधाओं के साथ एकीकृत अनुभव मिलता है। ज़ूम संपर्क केंद्र ज़ूम फ़ोन उपयोगकर्ता विवरण जैसे एक्सटेंशन, डायरेक्ट इनवर्ड डायलिंग (DID) नंबर और उपयोगकर्ता नाम तक पहुँच सकता है, जिससे कॉलर की पहचान और रूटिंग सक्षम होती है। छह सक्रिय दूरसंचार सर्किलों में सेवाओं के अलावा, ज़ूम फ़ोन व्यवसायों को पूरे भारत में सहज सहयोग बनाए रखने में सक्षम बनाता है, यहाँ तक कि उन क्षेत्रों में भी जहाँ ज़ूम फ़ोन सेवा अभी तक उपलब्ध नहीं है। ज़ूम के स्वयं-सेवा वेब पोर्टल के माध्यम से, ग्राहक कर्नाटक, दिल्ली एनसीआर और मुंबई जैसे विशिष्ट दूरसंचार सर्किलों के आधार पर स्थानीय फ़ोन नंबर प्राप्त कर सकते हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

राजेश विक्रांत की आमची मुंबई-2 का विमोचन 20 जून को

मुंबई। शहर की अग्रणी साहित्यिक-सांस्कृतिक संस्था आशीर्वाद द्वारा आयोजित लेखक एवं वरिष्ठ पत्रकार राजेश विक्रांत की नई पुस्तक आमची मुंबई-2 का विमोचन समारोह शुक्रवार 20 जून की शाम को गोरेगांव के अजंता पार्टी हॉल में आयोजित किया गया है। आशीर्वाद के निदेशक डॉ उमाकांत बाजपेयी एवं अध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि मुख्य अतिथियों में भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल, संतोष कुमार झा (अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशकः कोंकण रेलवे) सुप्रसिद्ध अभिनेता विष्णु शर्मा, भुवेंद्र त्यागी (संपादकः दैनिक भास्कर), अनिल तिवारी (निवासी संपादक- दोपहर का सामना) रहेंगे जबकि विशेष अतिथियों में (मुंबई के इतिहास, संस्कृति, साहित्य, सामाजिक जीवन, अपराध पर विशिष्ट पुस्तकों/ लेखों/ उपन्यासों के लेखकों में गोपाल शर्मा ('बंबई दर बंबई' फेम), हृदयेश मयंक ('मुंबई का साहित्यिक परिदृश्यः एक पुनरावलोकन' फेम), मुंबई लोकल' तथा 'महाराष्ट्र बलिदानों की धरती' के रचनाकार तथा मुंबई पर 1200 से अधिक लेखों के सर्जक विमल मिश्र, 6 उपन्यासों समेत 10 किताबों के लेखक उर्दू उपन्यास रोहज़िन के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार विजेता रहमान अब्बास (उन्होंने चार राज्य साहित्य अकादमी पुरस्कार भी जीते हैं। रोहज़िन में तीन समानांतर कथा सूत्र- एक प्रेम कहानी, भारतीय मुसलमानों की पहचान का मुद्दा तथा तीसरा मुंबई यानी बॉम्बे की कहानी चलती है। तीसरा कथा सूत्र इस महान शहर के इतिहास, मिथकों, किंवदंतियों, समाजशास्त्र और राजनीति की गहराई से पड़ताल करता है), मुंबई के दिग्गज मराठी पत्रकार प्रभाकर पवार (मुंबई क्राइम पर कुल 9 पुस्तकों के लेखक), मुंबई के वरिष्ठ

क्राइम रिपोर्टर व डॉयल 100 स्तंभ फेम सुनील मेहरोत्रा, विवेक अग्रवाल (मुंबई क्राइम पर कुल 19 पुस्तकों के लेखक), हरि मृदुल (कहानियों व लघुकथाओं में मुंबई के जनजीवन को साकार करने वाले साहित्यकार तथा नवभारत टाइम्स के 'आमची मुंबई' के स्तंभकार, जीतेन्द्र दीक्षित ('35 डेजः हाऊ पालिटिक्स इन महाराष्ट्र चेंज फॉरएवर इन 2019'- 'सबसे बड़ी बगावतः महाराष्ट्र में तख्तापलट की पर्दे के पीछे की कहानी', 'बॉम्बे ऑफ्टर अयोध्याः ए सिटी इन फ्लक्स'- 'अयोध्या ने कैसे बदल दी बंबई' तथा 'बॉम्बे-3'- 'ये है बंबई नगरिया' के लेखक, आचार्य पवन त्रिपाठी ('आजादी की लड़ाई में मुंबई का योगदान'- हिंदी तथा 'स्वातंत्र्य लढ्यातील मुंबईचे योगदान'- मराठी के सह लेखक, श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष व मुंबई भाजपा उपाध्यक्ष), शराफत खान ('दहशत का अनसुना इतिहासः बॉम्बे के डॉन' फेम), नितीन सालुंखे ('अज्ञात मुंबई' तथा 'अज्ञात मुंबई-2' फेम) का समावेश है। कार्यक्रम का संचालन करेंगे कवि, साहित्यकार देवमणि पांडेय, अतिथियों का स्वागत करेंगी आशीर्वाद की सहनिदेशिका नीता बाजपेयी। निमन्त्रक डॉ बनमाली चतुर्वेदी, डॉ जे पी बघेल, सुधा सिंह व अरविंद राही हैं। इस कार्यक्रम में आईआरएस अधिकारी व साहित्यकार डॉ कुंदन यादव, पत्रकारिता कोश के संपादक आफताब आलम, डिजाइनर भालचंद्र मेहेर, मुद्रक अमेय लोकरे, पत्रकार सरताज मेहदी, छायाकार अर्जुन कांबले व पत्रकार शिवपूजन पांडेय का सम्मान भी किया जाएगा। बता दें कि मुंबई पर अब तक राजेश विक्रांत के कार्यों में मुंबई माफियाः एक एनसाइक्लोपीडिया (श्री प्रभाकर पवार की मराठी पुस्तक का हिंदी अनुवाद- 2012), आमची मुंबई- 2019, आजादी की लड़ाई में मुंबई का योगदान (आचार्य पवन त्रिपाठी के साथ सह लेखन- 2022), स्वातंत्र्य लढ्यातील मुंबईचे योगदान (आचार्य पवन त्रिपाठी के साथ सहलिखित पुस्तक का सुश्री पल्लवी शिंदे-माने, मैडिसन, विस्कॉन्सिन, अमेरिका द्वारा मराठी में अनुवाद- 2024) तथा मुंबई और हिंदी (डॉ दीनदयाल मुरारका के साथ सह लेखन) और 'आदिज्ञान' (संपादकः जीतसिंह चौहान, संस्कृति-साहित्य की शीर्षस्थ त्रैमासिकी का जुलाई 2024-जून 2025) के 'मुंबई का कोली समुदाय विशेषांक' का संयोजन और अतिथि संपादन शामिल है। इन महत्वपूर्ण कार्यों के लिए उन्हें महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के राज्य स्तरीय जीवन गौरव सम्मान छत्रपति शिवाजी महाराज राष्ट्रीय एकता पुरस्कार- 2024-25 से सम्मानित किया गया है। आमची मुंबई- 2 का प्रकाशन भारत पब्लिकेशन, मुंबई द्वारा किया गया है।

ज़ूम ने भारत में लॉन्च किया ज़ूम संपर्क केंद्र

मुंबई। ज़ूम कम्युनिकेशंस, इंक. ने आज यानी सोमवार को भारत में ज़ूम कॉन्टैक्ट सेंटर के लॉन्च की घोषणा की, जो वीडियो के लिए अनुकूलित एक आधुनिक, AI-प्रथम, ऑम्नीचैनल कॉन्टैक्ट-सेंटर-एज़-ए-सर्विस समाधान प्रदान करता है। ज़ूम कॉन्टैक्ट सेंटर वॉयस, वीडियो, वर्चुअल एजेंट, सोशल मीडिया, ईमेल और मैसेजिंग ऐप सहित कई तरह के चैनलों का समर्थन करता है। यह लॉन्च भारत और वैश्विक बहुराष्ट्रीय निगमों में घरेलू उपस्थिति के साथ व्यवसायों को एक ही AI-प्रथम प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से ग्राहक और कर्मचारी जुड़ाव को एकीकृत करने में सक्षम बनाता है। ब्रिंग योर ओन कैरियर (क्षमताओं के साथ यह बुद्धिमान और स्केलेबल कॉन्टैक्ट सेंटर समाधान ग्राहक अनुभव र कर्मचारी अनुभव को एकीकृत करके एक व्यक्तिगत कुल अनुभव प्रदान करता है। इस अवसर पर ज़ूम में उत्पाद और इंजीनियरिंग के अध्यक्ष वेलचामी शंकरलिंगम ने कहा कि ज़ूम संपर्क केंद्र भारत में उद्योगों में स्थानीय व्यवसायों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों को एक लचीले, एआई-प्रथम ऑम्नीचैनल समाधान के माध्यम से ग्राहक जुड़ाव बढ़ाने में सक्षम और सक्षम बनाएगा, जो ग्राहकों को स्थानीय विनियामक और अनुपालन आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम बनाता है और आज के ग्राहकों की बदलती जरूरतों को संबोधित करता है। भारत हमारे लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है, और हमारी नवीनतम पेशकश एकीकृत सहयोग और संपर्क केंद्र क्षमताओं की शक्ति को एक मंच पर लाती है। यह भारत सहित हर बाजार में आधुनिक उद्यमों के लिए सुरक्षित, स्केलेबल और अभिनव समाधान देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ज़ूम के भारत और सार्क के महाप्रबंधक और प्रमुख समीर राजे ने कहा कि ऑनबोर्डिंग और सपोर्टिंग, ऑटोमेशन और एनालिटिक्स से लेकर ज़ूम कॉन्टैक्ट सेंटर ऐसे फीचर प्रदान करता है, जो ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने में मदद करते हैं। यह लॉन्च भारतीय बाजार के लिए ज़ूम की प्रतिबद्धता में एक और मील का पत्थर है- व्यवसायों को संचालन को सुव्यवस्थित करने, समग्र अनुभव को बढ़ाने और डिजिटल-प्रथम दुनिया में आगे रहने में मदद करना। ज़ूम संपर्क केंद्र अपनी सेवाओं को संभालने के लिए भारत में ज़ूम डेटा केंद्रों का उपयोग करता है, ग्राहकों की अपेक्षाओं और अनुपालन आवश्यकताओं का समर्थन करता है, विशेष रूप से सरकारी, स्वास्थ्य सेवा और वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में। इस मौके पर मेट्रीगी के सीईओ रॉबिन गेरिस ने कहा कि हमारे शोध ने यह प्रमाणित किया है कि जब कंपनियाँ अपनी CX रणनीतियों में AI का उपयोग करती हैं, तो व्यवसाय मीट्रिक में उल्लेखनीय सुधार होता है। उदाहरण के लिए, CX में AI ग्राहक संतुष्टि स्कोर (CSAT) को 32% और राजस्व को 27% तक बढ़ाता है। भारतीय बाजार में ज़ूम कॉन्टैक्ट सेंटर के लॉन्च से इस प्रकार के लाभों का विस्तार दूसरे क्षेत्र में भी होगा।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

'आखिरी' लड़ाई के लिए यूबीटी ने कसी कमर

ऐसा भी माना जाता है कि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई पर राज करनेवाली पार्टी को राज्य सहित देश की राजनीति में प्रभाव जमाने में अवसर मिलता है। पूरे देश की नजरें मुंबई मनपा चुनाव पर लगी हैं। लेकिन मुंबई पर अब तक राज करनेवाली पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की शिवसेना के लिए ये चुनाव करो या मरो वाली निर्णायक लड़ाई साबित हो सकते हैं। इसलिए उद्धव ने मुंबई मनपा चुनाव की तैयारियों के लिए अपने स्पेशल 12 सिपहसालारों की फौज को तैनात किया है। मुंबई मनपा के तीन साल से प्रतिक्षित चुनाव खासकर उद्धव के लिए यह महाराष्ट्र की राजनीति में अस्तित्व बचाए रखने का यह आखिरी मौका साबित हो सकते हैं। क्योंकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में हुई बगावत तथा पार्टी का नाम व चुनाव चिन्ह छिनने के बाद उद्धव को उम्मीद थी कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव 2024 में उनकी पार्टी को वोटरों की सहानुभूति मिलेगी। लेकिन उद्धव की पार्टी शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) का प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा था। हालांकि इन चुनावों राज्य के वोटरों ने उद्धव को निराश किया था। लेकिन मुंबई के वोटरों ने उद्धव को पूरी तरह से नहीं नकारा था। इसलिए खासकर मुंबई मनपा के चुनाव से उद्धव को ढेरों उम्मीदें हैं। लेकिन उद्धव ने इस बार किसी चमत्कार का इंतजार करने की बजाय अब मुंबई मनपा चुनाव में अलग रणनीति के साथ उतरने की योजना बनाई है।

सड़क विकास के नाम पर महाराष्ट्र के लोगों से वसूला 2,11,05,00,00,000 टोल टैक्स

महाराष्ट्र में 2020-21 में टोल संग्रह 2,590 करोड़ रुपये था, जो हर साल बढ़ता गया। फरवरी 2024-25 तक यह राशि 5,115 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यानी अकेले महाराष्ट्र से रोजाना औसतन 28 करोड़ रुपये वसूले जाते हैं। इन आंकड़ों को देखते हुए कई सवाल उठाए जा रहे हैं। क्या वाकई सड़कों के रखरखाव के लिए इस राशि की जरूरत है? क्या महाराष्ट्र की सड़कों की हालत इतनी खराब है कि करोड़ों की राशि उसमें लगाई जा रही है? उन टोल बूथों पर टोल क्यों नहीं रोका जाता, जहां परियोजना लागत वसूल हो चुकी है? सुप्रीम कोर्ट ने भी इस पर अपनी राय जाहिर की है और स्पष्ट किया है कि परियोजना लागत वसूल होने के बाद टोल वसूली बंद होनी चाहिए। टोल दरों और टोल नंबरों की वजह से आम यात्रियों पर आर्थिक बोझ लगातार बढ़ते जा रहा है। हालांकि, फास्टैग जैसी व्यवस्थाओं ने इस प्रक्रिया में पारदर्शिता ला दी है, लेकिन वसूली की गति और बढ़ती राशि को देखते हुए टोल वसूली अब महज सुविधा शुल्क न होकर भारी राजस्व का स्रोत बन गई है।

सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी

सरकार ने इन अधिकारियों को 80 हजार तक वेतन देने का प्रावधान किया है। सेवानिवृत्त अधिकारियों की नियुक्ति के लिए सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा विज्ञापन जारी किया जाएगा। इस विज्ञापन में नियुक्त किए जाने वाले अधिकारियों की कुल संख्या, कार्य की प्रकृति, स्वीकृत वेतन का उल्लेख किया जाएगा। इस माध्यम से आवेदन आमंत्रित कर सेवानिवृत्त अधिकारियों को संबंधित सेवाओं में नियुक्त किया जाएगा। इस अनुबंध को एक वर्ष का प्रारंभिक अनुबंध बनाकर आवश्यकतानुसार प्रतिवर्ष बढ़ाया जाएगा। सेवानिवृत्त अधिकारी यदि शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्षम है तो 70 वर्ष की आयु तक सेवा में रह सकेंगे। गौरतलब हो कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति सरकार की उपरोक्त खास योजना ग्रुप ए और ग्रुप बी संवर्ग के अधिकारियों के लिए ही लागू होगी। सरकार सिर्फ ग्रुप ए और बी के अधिकारियों को ही सेवानिवृत्ति के बाद संविदा के आधार पर काम करने का अवसर देगी। सामान्य प्रशासन विभाग ने स्पष्ट किया है कि ग्रुप सी और ग्रुप डी के कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद संविदा के आधार पर नियुक्त नहीं किया जा सकेगा। इसी तरह संविदा के आधार पर सेवानिवृत्ति के बाद भी विभागीय जांच नहीं की जा सकेगी। इन सेवानिवृत्त अधिकारियों को मूल पेंशन, महंगाई भत्ता, यात्रा भत्ता, आवास भत्ता, टेलीफोन भत्ता समेत कुल 80,750 रुपए का भुगतान किया जाएगा।

राज कुशवाह को भी धोखा देने वाली थी सोनम

ऐसा माना जा रहा था कि राजा की पत्नी ही हत्याकांड की मास्टरमाइंड है, लेकिन पुलिस की पूछताछ में राज कुशवाह और सोनम ने अलग-अलग बयान दिए हैं। सोनम राज कुशवाह को तो राज सोनम को मास्टरमाइंड बता रहा है। अब सभी आरोपियों को एक साथ बैठाकर पूछताछ की जाएगी, इसके बाद ही मास्टराइंड का पता चलेगा। एक रिपोर्ट में पुलिस सूत्रों से बातचीत के आधार पर बताया गया कि सोनम ही इस हत्याकांड की असली मास्टरमाइंड है और संभव है कि राज का इस्तेमाल एक मोहरे के रूप में ही किया गया। सभी आरोपियों से पूछताछ की निगरानी कर रहे वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि सोनम ने सभी को झांसे में लेकर इस्तेमाल किया। राज को प्यार का वादा दिया तो अन्य को पैसों का लालच। ऐसा लगता है कि सोनम राज को भी धोखा देने वाली थी। अभी तक माना जा रहा था कि राज कुशवाह और सोनम एक दूसरे से प्यार करते थे। राज पूरे मामले का साजिशकर्ता है।

3 राज्य के 7 जिलों को मोदी सरकार ने दी सौगात

6,400 करोड़ के रेलवे प्रोजेक्ट से और बढ़ेगी लोगों की 'रफ्तार'

झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में होंगे कार्य, टिकाऊ और कुशल रेल प्रचालन को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बुधवार को झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के 7 जिलों को शामिल करते हुए भारतीय रेल की दो मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। केंद्र सरकार के अनुसार इन पहलों से यात्रा सुविधा में सुधार होगा, लॉजिस्टिक लागत घटेगी, कार्बन डाईऑक्साइड उत्सर्जन में गिरावट आएगी, जिससे टिकाऊ और कुशल रेल प्रचालन को बढ़ावा मिलेगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यह जानकारी दी है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी जानकारी

कोडरमा-बरकाकाना मल्टीट्रैकिंग परियोजना को मंजूरी

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कोडरमा से बरकाकाना के बीच 133 किमी की डबल लेन को मंजूरी मिल गई है, जिसकी लागत 3,063 करोड़ है। इससे पटना और रांची के बीच की दूरी कम हो जाएगी। यह कोडरमा, चतरा, हजारीबाग और रामगढ़ जिलों को अच्छी कनेक्टिविटी प्रदान करेगी।झारखंड में भारतीय रेलवे की कोडरमा-बरकाकाना मल्टीट्रैकिंग परियोजना पर रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि विशेषज्ञों की गणना के अनुसार इस परियोजना से कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा 7 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर होगी। इससे देश में सालाना 32 करोड़ लीटर डीजल की बचत भी होगी। इससे 938 गांवों और 15 लाख की आबादी को लाभ होगा। यह 30.4 मिलियन टन अतिरिक्त माल ले जा सकती है, जो सड़क मार्ग से माल भेजने के विपरीत पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी अच्छा साबित होगा।

बल्लारी-चिकजाजुर मल्टीट्रैकिंग प्रोजेक्ट को स्वीकृति

केंद्र सरकार ने कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भारतीय रेलवे की बल्लारी-चिकजाजुर मल्टीट्रैकिंग परियोजना को मंजूरी दी है। इसे डबल लेन किया जाएगा, जिससे मंगलौर पोर्ट से कनेक्टिविटी अच्छी हो जाएगी। इसे लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के तहत 185 किमी रेलवे लाइन को डबलिंग किया जाएगा, जिसमें 3,342 करोड़ रुपए का खर्च आएगा।

इससे निर्बाध कनेक्टिविटी बढ़ेगी

ये परियोजनाएं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है। ये लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के सात जिलों को शामिल करने वाली ये दो परियोजनाएं भारतीय रेल के विद्यमान नेटवर्क को लगभग 318 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी। अनुमोदित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना लगभग 1,408 गांवों में कनेक्टिविटी बढ़ाएगी, जिनकी आबादी लगभग 28.19 लाख है। कोयला, लौह अयस्क, परिष्कृत इस्पात, सीमेंट, उर्वरक, कृषि वस्तुओं और पेट्रोलियम उत्पादों आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए ये आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि कार्यों के परिणामस्वरूप 49 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) का अतिरिक्त माल यातायात होगा।

लॉजिस्टिक्स लागत में लगभग 4 फीसदी की कमी आई

रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी के ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के दौरान, परिवहन और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। आईआईएम बैंगलोर और आईआईएम कलकत्ता के हालिया अध्ययन से पता चलता है कि परिवहन में निवेश से देश की लॉजिस्टिक्स लागत में लगभग 4 फीसदी की कमी आई है।

राजधानी में आयोजित एक कार्यशाला में एयर मार्शल दीक्षित ने किया इस मामले की ओर इशारा

अंतरिक्ष में बढ़ती चीन की सैटेलाइट ताकत भारत की सेनाओं के लिए खतरे की घंटी?

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भारत ने हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के जरिए स्वदेशी हथियारों की मदद से पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी ठिकानों को अपने अचूक वार से नष्ट करने में सफलता हासिल की है। लेकिन अब देश के समक्ष उसके एक अन्य पड़ोसी चीन की अंतरिक्ष में बेहद तेजी से बढ़ती सैटेलाइट क्षमता चिंता का सबब बन रही है। मामले का संबंध भारतीय वायुसेना से है। वहीं, चीन की बात करें तो पृथ्वी के निचले भाग (लो अर्थ ऑर्बिट) में उसकी सैटेलाइट डाग फाइट ने पूरी दुनिया को हैरान करके रख दिया था। ये एक ऐसा प्रयास था। जिसमें ड्रैगन ने अपनी सैटेलाइट के जरिए दुश्मन की सैटेलाइट का पता लगाकर उसे जाम कर दिया था। अब वह अपनी सैटेलाइट को हथियार सिस्टम से भी जोड़ रहा है। यह जानकारी बुधवार को चीफ ऑफ इंटिग्रेटेड डिफेंस स्टाफ

(सीआईडीएस) एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने राजधानी के सुब्रतो पार्क में थिंक-टैंक सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज (सीएपीएस) और इंडियन मिलिट्री रिव्यूज (आईएमआर) द्वारा आयोजित की गई एक कार्यशाला को संबोधित करते हुए दी। यहां बता दें कि मौजूदा दौर में बने हुए चुनौतीपूर्ण भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच एयर मार्शल दीक्षित का ये बयान काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

निगरानी डेटा को एआई से जोड़ा जाए

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में यह प्रदर्शित हुआ कि भारत के स्वदेशी हथियार वैश्विक मानकों से भी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। वायुसेना के एकीकृत हवाई कमांड और कंट्रोल सिस्टम, सेना के आकाशतीर की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि युद्ध के समय जो सबसे पहले दूर और सटीक देखेगा। वो ही बढ़त के साथ कामयाब होगा। एयर मार्शल दीक्षित ने गहराई में निगरानी की आवश्यकता पर बल देते हुए बताया कि कैसे भारतीय सशस्त्र सेनाओं द्वारा उक्त सैन्य कार्रवाई में प्रयोग की गई स्कैल्प, हैमर, ब्रह्मोस मिसाइल के साथ ही ड्रोन से एक साथ बड़े पैमाने पर किया गया आक्रमण भौगोलिक परिस्थितियों की बाधा को अप्रासंगिक बना रहा है? एयर मार्शल दीक्षित ने कहा कि भारत को तीनों युद्धक्षेत्रों और अंतरिक्ष से मिलने वाले निगरानी डेटा को कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से नेटवर्क केंद्रित बनाना चाहिए।

चीन के पास एक हजार सैटेलाइट

एयर मार्शल दीक्षित ने अपने संबोधन में चीन के सैन्य अंतरिक्ष कार्यक्रम के विस्तार के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2010 में चीन के पास केवल 36 सैटेलाइट थीं। जो बीता साल 2024 आते-आते एक हजार के करीब हो गई हैं। इनमें से 360 सैटेलाइट ड्रैगन ने इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकोनिसेंस (आईएसआर) के लिए ली हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम अपना निगरानी क्षमताओं को बढ़ाना चाहते हैं तो हमें हमारे परिदृश्य में तेजी से बढ़ते खतरों के बारे में भी समझना होगा। इसमें खासतौर पर उत्तर में किया गया हमारे पड़ोसियों का विस्तार शामिल है। उन्होंने चीन की हालिया गठित की गई पृथक वायु सैन्य कमांड का भी उल्लेख किया।

खबर संक्षेप

नर्सिंग कॉलेज के छात्र ने की आत्महत्या

नवी मुंबई। यहां स्थित एक नर्सिंग कॉलेज के छात्र ने आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि कॉलेज

की प्रधानाचार्या ने छात्र को अपमानित किया था और उसके खिलाफ जातिसूचक शब्दों का भी इस्तेमाल किया था। पुलिस ने आरोपी प्रधानाचार्या के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्राचार्य पर छात्र को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगा है।

शुभा की तरह ही सोनम ने अपने पति को मरवाया, क्या था 22 साल पुराना कांड

कर्नाटक। मध्य प्रदेश के इंदौर में रहने वाले राजा रघुवंशी अब दुनिया में नहीं हैं। वह 11 मई को शादी के बाद पत्नी सोनम रघुवंशी के साथ मेघालय हनीमून पर गए थे, लेकिन लौटे नहीं। अब उनकी पत्नी को पुलिस ने हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया है। अब तक की जांच में सामने आया है कि मामला प्रेम प्रसंग का था, जहां सोनम ने अपने आशिक के साथ मिलकर राजा को मौत के घाट उतार दिया। इस वारदात के कई पहलू 22 साल पहले कर्नाटक में हुए कांड से मिलते हैं।

क्या है रिंग रोड केस : इस कहानी के दो किरदार हैं।

सीईसी ज्ञानेश ने स्टॉकहोम में अंतरराष्ट्रीय चुनावी साख सम्मेलन में कहा

भारत की चुनाव प्रक्रिया दुनिया में उत्कृष्ट मजबूती, पारदर्शिता और विविधता से भरी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्वीडन के स्टॉकहोम में हुए अंतरराष्ट्रीय चुनावी साख सम्मेलन में भारत की चुनाव प्रणाली की मजबूती, पारदर्शिता और विविधता को वैश्विक मंच पर रेखांकित किया। यह सम्मेलन इंटरनेशनल आइडिया संस्था द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 50 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों के 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।उन्होंने बताया कि भारत में चुनाव प्रक्रिया दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक गतिविधि है। 2024 के आम चुनाव में लगभग 98 करोड़ मतदाता थे, 10.5 लाख मतदान केंद्र बनाए गए और 62 लाख ईवीएम मशीनें इस्तेमाल की गईं। चुनाव आयोग ने 743 राजनीतिक दलों के 20,271 उम्मीदवारों के साथ चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न किया।इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की सक्रिय और अग्रणी भूमिका को वैश्विक चुनाव प्रबंधन समुदाय ने सराहा है।

भारत में चुनाव प्रक्रिया को बताया दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक गतिविधि

50 देशों के चुनाव प्रबंधन निकाय रहे शामिल

100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया

चुनाव दलों मीडिया की निगरानी में हो रहे

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत में चुनाव राजनीतिक दलों, मीडिया, पर्यवेक्षकों और पुलिस की निगरानी में होते हैं। इस दौरान लगभग 2 करोड़ से अधिक कर्मचारी तैनात रहते हैं, जिससे यह दुनिया की सबसे बड़ी कार्यबल वाली संस्था बन जाती है।

हर मतदाता की भागीदारी हो रही सुनिश्चित

उन्होंने कहा कि भारत हर मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करता है। चाहे वह पहली बार वोट देने वाला हो, वरिष्ठ नागरिक हो, दिव्यांग हो या दुर्गम क्षेत्र में रहने वाला हो। सम्मेलन के दौरान उन्होंने 12 देशों के चुनाव आयुक्तों से द्विपक्षीय चर्चा भी की। इन बैठकों में प्रवासी मतदान, चुनावी तकनीक और संस्थागत सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ।

भारत की मतदाता सूची प्रक्रिया दुनिया की सबसे पारदर्शी प्रणाली

उन्होंने भारत की मतदाता सूची प्रक्रिया को दुनिया की सबसे पारदर्शी प्रणाली बताया। 1960 से हर वर्ष राजनीतिक दलों के साथ मतदाता सूची साझा की जाती है, जिसमें दावे, आपत्तियां और अपील की पूरी प्रक्रिया होती है।

अंतरराष्ट्रीय सहयोग को जरूरी बताया

मंगलवार को सीईसी ज्ञानेश कुमार ने सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रमुख भाषण दिया। उन्होंने चुनावी निष्पक्षता, पारदर्शिता और नवाचारों पर भारत की भूमिका को साझा करते हुए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को जरूरी बताया।

प्रमुख द्विपक्षीय बैठकें

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने चुनाव आयोगों के प्रमुखों और अधिकारियों से मुलाकात की

- **मैक्सिको:** मारिसा अर्लीन कैब्राल पोर्चास (अंतरराष्ट्रीय मामलों की समन्वयक) और नॉर्मा इरीन डे ला क्रूज (इलेक्टोरल काउंसलर), नेशनल इलेक्टोरल इंस्टीट्यूट
- **इंडोनेशिया :** मोचम्मद अफीफुद्दीन, चेयरपर्सन, जनरल इलेक्शन कमीशन
- **मंगोलिया:** पूर्वी डेल्गर्नारन, चेयरपर्सन, जनरल इलेक्शन कमीशन
- **दक्षिण अफ्रीका :** साइमन मोएप्या, चेयरपर्सन, इलेक्टोरल कमीशन
- **स्विट्ज़रलैंड :** हांसपीटर वीस, नीति सलाहकार, स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन
- **मोल्दोवा :** एंजेलिका कारामान (चेयरपर्सन) और पावेल पोस्टिका (डिप्टी चेयरपर्सन), सेंट्रल इलेक्शन कमीशन
- **लिथुआनिया :** डेरियस गैजॉस्कस, प्रमुख, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, सेंट्रल इलेक्टोरल कमीशन
- **मॉरिशस :** अब्दुल्ल रहमान मोहम्मद इरफान, इलेक्टोरल कमिश्नर
- **संयुक्त राजशाही :** विजय रंगराजन, चीफ एग्जीक्यूटिव, इलेक्टोरल कमीशन ऑफ यूके
- **जर्मनी :** अन्ना-कारिना एल्बर्ट (प्रमुख) और सुश्री क्लाउडिया इसफोर्ट (सहायक प्रमुख), फेडरल रिटर्निंग ऑफिसर का कार्यालय
- **यूक्रेन :** ओलेह डिडेंको (चेयरपर्सन) और विताली प्लुकार (डिप्टी चेयरपर्सन), सेंट्रल इलेक्शन कमीशन
- **क्रोएशिया :** द्राजेंको पांडेक, स्टेट इलेक्टोरल कमीशन ऑफ द रिपब्लिक ऑफ क्रोएशिया

बघेल बोले- ट्रंप के बयानों पर चुप क्यों?

प्रधानमंत्री की पूरी राजनीतिक यात्रा विघटन और विभाजन की

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कांग्रेस ने मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल को विफलताओं और जनविरोधी नीतियों का स्मारक बताया है। कांग्रेस मुख्यालय इंदिरा भवन में पत्रकार वार्ता करते हुए छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पूरी राजनीतिक यात्रा विघटन और विभाजन की रही है, जिससे देश में हर समाज के लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं द्वारा दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और यहां तक कि सेना के अधिकारियों के अपमान पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी पर भी सार्थक सवाल उठाए।

बघेल ने मोदी सरकार पर विकास के झूठे दावों और आंकड़ों में हेरफेर करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि झूठे आंकड़ों और खोखले नारों से देश को लगातार गुमराह किया गया, सच्चाई छुपाई गई। उन्होंने कुंभ मेले में हुई मौतों का उदाहरण दिया, जहां सरकारी आंकड़ों के विपरीत दुनिया के एक प्रमुख सार्वजनिक प्रसारण नेटवर्क की रिपोर्ट में कहीं अधिक मौतें बताई गईं। नोटबंदी को एक खोखला दावा बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे न तो काला धन वापस आया और न ही आतंकवाद की कमर टूटी, बल्कि आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। वहीं, कोरोना महामारी में इलाज नहीं मिलने से लाखों लोगों की जान चली गई थी।

बघेल ने मोदी सरकार की विफल विदेश नीति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पहले भारत की आवाज को पूरी दुनिया गंभीरता से सुनती थी, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि पीएम मोदी के इतने देशों का दौरा करने के बावजूद कोई देश भारत के समर्थन में खड़ा नहीं हुआ।

उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट कर संघर्ष विराम करवाने का दावा किया। ट्रंप ने कई बार कहा कि उन्होंने धमकी देकर संघर्ष विराम कराया। इससे पूरा देश अपमानित महसूस कर रहा है। उन्होंने पूछा कि चुनाव के समय जमकर बोलने वाले मोदी की ऐसे समय में चुप्पी की क्या मजबूरी है? बघेल ने मोदी सरकार के 11 साल को धोखे, छल और झूठ की राजनीति बताया, जहां अमीर और अमीर, गरीब और गरीब होता गया। उन्होंने कहा कि जितने वादे किए, वे छल-प्रपंच और झूठ पर आधारित रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने हर साल दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन रिक्त पड़े सरकारी पदों को ही नहीं भरा जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि ईडी, आयकर विभाग, सीबीआई और यहां तक कि चुनाव आयोग जैसी संस्थाएं भी भाजपा सरकार के दबाव में हैं, जिससे लोकतंत्र कमजोर हुआ है।

बघेल ने प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत योजना, उज्ज्वला योजना और नल-जल योजना जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं की विफलताएं गिनाईं। उन्होंने एसटी-एससी, ओबीसी योजनाओं की स्थिति भी दयनीय बताई। उन्होंने आगे कहा कि सरकार महिला आरक्षण की बात करती है, लेकिन वो लागू कब किया जाएगा?

सीजेआई गवई ने ऑक्सफोर्ड यूनियन कार्यक्रम में कहा

कार्यपालिका फेल तो हस्तक्षेप जरूरी पर न्यायिक आतंकवाद न हो

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

सीजेआई बीआर गवई ने मंगलवार को कहा कि देश में न्यायिक सक्रियता की भूमिका बनी रहेगी, लेकिन इसे इतना नहीं बढ़ाना चाहिए कि यह न्यायिक आतंकवाद का रूप ले ले। चीफ जस्टिस ने स्पष्ट किया कि जब विधायिका और कार्यपालिका नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करने में विफल रहती हैं, तब न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ता है। लेकिन इस हस्तक्षेप की सीमा और मर्यादा होनी चाहिए। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार सीजेआई ने कहा कि न्यायिक सक्रियता बनी रहेगी, लेकिन कभी-कभी जब सीमाएं लांघी जाती हैं और न्यायपालिका उन क्षेत्रों में प्रवेश करती है जहां उसे नहीं करना चाहिए, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। न्यायिक समीक्षा का उपयोग केवल विशेष परिस्थितियों में होना चाहिए। यह शक्ति केवल तब प्रयोग की जानी चाहिए जब कोई कानून संविधान की मूल संरचना का उल्लंघन करता हो या किसी मौलिक अधिकार के प्रतिकूल हो या वह पूरी तरह मनमाना व भेदभावपूर्ण हो।

कभी-कभी सीमाएं लांघी जा रहीं, यह चिंता का विषय

'फ्राम रिप्रेजेंटेशन टु रिवलाइजेसन: एंबोडाइंग द कांस्टिट्यूशन्स

सीजेआई ने यह विचार ऑक्सफोर्ड यूनियन में 'फ्राम रिप्रेजेंटेशन टु रिवलाइजेसन: एंबोडाइंग द कांस्टिट्यूशन्स प्रोमिज ' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में रखा। सीजेआई गवई ने एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड तन्वी दुबे की ओर से आयोजित 'ऑक्सफोर्ड यूनियन' कार्यक्रम में ये बातें कही हैं। सीजेआई ने कहा कि एक समय था जब लाखों भारतीयों को अछूत कहा जाता था, लेकिन आज उसी समुदाय से आए व्यक्ति को देश की सर्वोच्च न्यायिक जिम्मेदारी मिली है जो भारतीय संविधान की समानता की भावना का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

न्यायपालिका की भूमिका संतुलित

सीजेआई के ये बयान उस व्यापक बहस के बीच आए हैं, जिसमें यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या न्यायपालिका अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जा रही है। ऐसे में सीजेआई के विचार न्यायपालिका की भूमिका, उसकी सीमाएं और उसकी जिम्मेदारियों पर हैं।

सत्ता केवल संस्थाओं के बीच ही नहीं, समुदायों में भी हो

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान उन लोगों की धड़कनों को संजोए हुए है जिन्हें कभी सुना नहीं गया। यह न केवल अधिकारों की रक्षा करता है, बल्कि उन्हें सशक्त करने, सुधारने और न्याय दिलाने के लिए राज्य को बाध्य करता है। सीजेआई गवई ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों को उदाहरण के तौर पर पेश करते हुए कहा कि लोकतंत्र तभी टिकाऊ होता है जब सत्ता केवल संस्थाओं के बीच ही नहीं, बल्कि समुदायों के बीच भी वितरित हो।

गिरफ्तारी से बच गए राहुल गांधी, मानहानि के मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने दिया पेश होने का आदेश

रांची। अमित शाह पर कथित अपमानजनक टिप्पणी मामले में राहुल गांधी को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। झारखंड की चाईबासा कोर्ट ने मानहानि के केस में राहुल गांधी के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया था, जिसके बाद निचली अदालत के फैसले के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। मामले में हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के खिलाफ जारी गैरजमानती वारंट पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी। हालांकि कोर्ट ने राहुल गांधी को चाईबासा कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया है। यह मामला 2018 का है, जब अमित शाह भाजपा अध्यक्ष थे और राहुल गांधी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष थे। कांग्रेस अधिवेशन में गांधी ने अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा था कि भाजपा ही केवल एक ऐसी पार्टी है, जो हत्यारे को अध्यक्ष के रूप में स्वीकार कर सकती है। मामले में भाजपा नेता प्रताप कुमार ने राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया था।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

नए तापमान मानदंड़ों का अनुपालन कुछ महीनों के भीतर

एसी उद्योग तापमान मानकों के अनुपालन के लिए ग्राहकों से नहीं लेगा कोई शुल्क

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

एयर-कंडीशनर बनाने वाली कंपनियां सरकार के नये तापमान मानदंडों का अनुपालन कुछ महीनों के भीतर करेंगी और इसके लिए उपभोक्ताओं को अतिरिक्त राशि नहीं चुकानी होगी। एयर कंडीशनर बनाने वाली वोल्टास, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स, ब्लू स्टार और हायर जैसी प्रमुख कंपनियों ने इस कदम का स्वागत किया है।

यह कदम न केवल ऊर्जा की बचत करके उद्योग को स्थायी रूप से बढ़ने में मदद करेगा, बल्कि बिजली की खपत को अनुकूलतम बनाएगा। यह गर्मियों में बिजली खपत को कम करेगा और एसी का जीवनकाल भी बढ़ाएगा।

28 से ऊपर तापमान ले जाया जा सकेगा

बिजली मंत्री मनोहर लाल ने मंगलवार को कहा था कि सरकार वाहन और घरों में लगे एसी के तापमान को मानकीकृत करने को लेकर उपकरण विनिर्माताओं तथा राज्यों के साथ बातचीत कर रही है। इसके तहत इसे 20 डिग्री से कम नहीं किया जा सकेगा और न ही 28 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ले जाया जा सकेगा।

कूलिंग की दिशा में स्वागत योग्य कदम

उद्योग को इसके क्रियान्वयन के लिए रिमोट कंट्रोल और इसके डिजाइन और सेटिंग्स में कुछ मामूली संशोधन करने होंगे और इसके क्रियान्वयन के लिए छह महीने तक का समय चाहिए। वोल्टास के मनोनीत प्रबंध निदेशक मुकुंदन मेनन ने कहा कि कमरे में उपयोग होने वाले एयर कंडीशनर (आरएसी) के तापमान दायरे को 20 से 28 डिग्री सेल्सियस के बीच मानकीकृत करने का निर्णय, स्मार्ट और पर्यावरण अनुकूल 'कूलिंग' की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है।

जरूरत से अधिक ठंडा करने का मुद्दा लंबे समय से

ब्लू स्टार के प्रबंध निदेशक बी त्यागराजन ने कहा कि कमरों को जरूरत से अधिक ठंडा करने का मुद्दा लंबे समय से चर्चा में था। उन्होंने कहा, ''उद्योग इसे लागू करने में बहुत सहज है। सवाल यह है कि रिमोट फर्मवेयर (हार्डवेयर उपकरणों में लगा सॉफ्टवेयर) को बदलना होगा और पुराने माल को निर्धारित तिथि पर प्रबंधित करना होगा। यह एक सरल काम है। इसलिए, कोई समस्या नहीं है।'

- सरकार से इस कदम का प्रमुख कंपनियों ने किया स्वागत
- बिजली की खपत कम होगी और एसी की लाइफ बढ़ेगी
- रिमोट कंट्रोल के डिजाइन और सेटिंग्स में संशोधन करने होंगे

उपकरण फिर से डिजाइन करने होंगे

मंत्री ने कहा, ''यह कदम भारत के व्यापक ऊर्जा दक्षता लक्ष्यों और ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) की जिम्मेदार ऊर्जा उपयोग को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता के अनुरूप है।'' हालांकि, क्रियान्वयन के लिए विनिर्माताओं को संशोधित तापमान मानकों का अनुपालन करने के लिए उपकरणों को फिर से डिजाइन करना होगा या सॉफ्टवेयर लगाना होगा।

जेब पर बोझ कम पड़ेगा

सतीश ने कहा कि उपभोक्ताओं के लिए, कम बिजली की खपत का मतलब बिजली की बचत है, जो उनकी जेब पर पड़ने वाले बोझ को कम करेगा। वोल्टास के प्रबंध निदेशक और सीईओ प्रदीप बख्शी ने कहा, ''यह लोगों, सरकार और सभी के लिए फायदे वाली स्थिति है। यह सरकार का एक अच्छा कदम है।'' एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि इसे अगले दो से तीन महीनों में हासिल किया जा सकता है।

सबसे तेजी से बढ़ रहा एसी बाजार

एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि यह एक 'प्रगतिशील कदम' है और भारत को जिम्मेदार ऊर्जा उपयोग के लिए प्रतिबद्ध देशों के चुनिंदा समूह में रखता है। भारत में कमरे में लगने वाले एयर कंडीशनर बाजार दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है। एक अनुमान के अनुसार, इसका बाजार लगभग 1.5 करोड़ इकाइयों का है।

बड़ा हादसा, दूल्हा-दुल्हन समेत 5 बारातियों की मौत; परिवार में बधाई गीत की जगह मातम

जयपुर। राजस्थान में बुधवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। यहां जमवारामगढ़ में दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर बारातियों से भरी गाड़ी और तेज रफ्तार ट्रक में आमने-सामने जबरदस्त टक्कर हो गई। हादसे में दूल्हा-दुल्हन समेत 5 बारातियों की मौत हो गई, जबकि 7 लोग घायल हो गए हैं। रायसर थाना क्षेत्र के भट्काबास गांव के पास दोनों वाहनों की भिड़ंत से अफरातफरी मच गई। जमवारामगढ़ के रायसर थाना इलाके में बुधवार सुबह दुखद घटना हुई है।

शादी से लौट रही एक सवारी गाड़ी की ट्रक से टक्कर के कारण शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। बताया जा रहा है कि वाहन में दूल्हा-दुल्हन समेत करीब 15 बाराती भी सवार थे। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एंबुलेंस की मदद से मृतकों के शव समेत घायलों को अस्पताल ले गई।

मध्य प्रदेश से लौट रहा था परिवार

रायसर थाना अधिकारी रघुवीर सिंह राठौड़ के मुताबिक सवारी गाड़ी में मौजूद सभी बाराती मध्य प्रदेश से लौट रहे थे। तभी दौसा-मनोहरपुर हाईवे NH-148 पर भट्काबास गांव के पास सामने से आ रहे ट्रक और सवारी वाहन में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे के बाद गाड़ी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई थी।

हाईवे पर लगा भीषण जाम

दोसा मनोहरपुर हाईवे पर हादसे के बाद भीषण जाम लग गया। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीणों की भी भीड़ जमा हो गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। रायसर थाना पुलिस भी एंबुलेंस के साथ मौके पर पहुंची और घायलों के साथ ही शव को बाहर निकाला। इस दौरान दोनों तरफ से हाईवे पर वाहनों की कतार लग गई। पुलिस ने किसी तरह जाम खुलवाया और यातायात बहाल किया। बुधवार को राजस्थान में हुए इस हादसे ने शादी की खुशियों का मातम में बदल दिया।

शादी के बाद नए जीवन की शुरुआत करने जा रहे नव विवाहित जोड़े का साथ शायद कुछ ही घंटों का लिखा था। मायके से चली दुल्हन ससुराल में कदम तक नहीं रख सकी। घर में जब हादसे की खबर मिली तो वहां बधाई गीत की जगह चीख-पुकार मच गई। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो रहा है।

दरिंदगी का शिकार बांदा की मासूम में तोड़ा कानपुर में दम : हैवानियत पूर्व सप्ताह

मुंबई हलचल/संवाददाता

कानपुर। अब मासूम बच्चे भी वासना के पुजारी हैवानों का शिकार होने से बच नहीं पा रहे हैं। ऐसी हैवानियत का शिकार हुई बच्ची ने आज बुधवार को कानपुर में दम तोड़ दिया। उसे बांदा से लाकर यहां के हेलीकॉप्टर में भर्ती कराया गया था। वह यहां के एलएलआर अस्पताल के बाल रोग विभाग के वेंटिलेटर पर हर सांस के लिए संघर्ष कर रहीं मासूम की स्थिति में सात दिनों तक कोई सुधार नहीं हुआ। जानकारी के मुताबिक नाजुक अंगों में गंभीरता और संक्रमण के चलते कोमा में पहुंची बच्ची को बचाने का प्रयास हर दिन चिकित्सकों ने किया। लेकिन दरिंदगी का शिकार हुई बच्ची जख्मों से उबर नहीं पाई और उसने तड़पते हुए दम तोड़ दिया। हैवानियत का शिकार बच्ची का इलाज बाल रोग सर्जन, सर्जरी विभाग के चिकित्सक, न्यूरो सर्जन और गायनी विभाग की विशेषज्ञ कर रहे थे। लेकिन हर संभव प्रयास के बाद विवाह उसकी जान नहीं बचा सके। पुलिस के अनुसार मामले में कार्रवाई बांदा पुलिस द्वारा की जाएगी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सेहत के लिए हानिकारक है किचन की ये चीजें

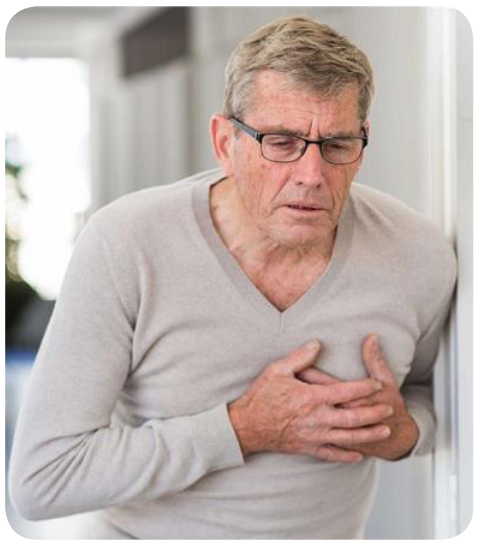

किचन की साफ-सफाई रखना बहुत जरूरी है। लेकिन गंदगी से ही बीमारी फैलने के डर नहीं होती बल्कि डैकोरेटिव दिखने वाले बर्तन भी सेहत पर बुरा असर डालते है। किचन में इस्तेमाल होने वाले नॉन स्टिक बर्तन, पैन, केतली से लेकर कॉफी मग तक आपको बीमार कर सकते है। इसलिए खाना पकाते और खाते समय सही बर्तनों का चुनाव करना बहुत जरुरी है।

1. नॉन स्टिक बर्तन

नॉन स्टिक बर्तनों में खाना पकाना बहुत आसान होता है लेकिन इसमें टेफ्लान नामक केमिकल होता है जो सेहत के लिए बहुत हानिकारक होता है। खाना बनाते समय इससे निकलने वाली गैस दमा के मरीजों के लिए खतरनाक हो सकती है। इसलिए इसे धीमी आंच पर रखकर खाना पकाएं।

2. प्लास्टिक के बर्तन

माइक्रोवेव में खाना गर्म करने से प्लास्टिक के केमिकल्स खाने में ट्रांसफर हो जाते है। जिससे कैंसर जैसी बीमारी होने का खतरा रहता है। इसलिए प्लास्टिक के बर्तनों का कम से कम प्रयोग करें।

3. एल्युमिनियम के बर्तन

एल्युमिनियम के बर्तन हल्के, मजबूत, गुड हीट कंडक्टर होते हैं। इसमें ज्यादा देर तक खाना पकाने से ऐसे तत्व निकलते है जिससे टीबी, किडनी फेल, अल्जाइमर और दिमागी बीमारिया होने का खतरा रहता है।

4. तांबे के बर्तन

तांबे के बर्तन में खाना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। इनके उपर मेटल की लेयर चढ़ी होती है लेकिन कुछ समय बाद जब ये लेयर निकल जाती है तो कॉपर के अंश खाने के साथ शरीर में शामिल हो जाते है। इसके कारण डायरिया और उल्टी जैसी समस्या हो सकती हैं। इसलिए ज्यादा पुराने बर्तनों का इस्तेमाल न करें।

5. ग्लास कुकवेयर

कांच के बर्तनों का इस्तेमाल करने से भी सेहत को नुकसान हो सकता है। पुराने कांच के बर्तनों से लीड टॉक्सिन की समस्यां होने लगती है। जिससे पेट से जुड़ी कई तरह प्रॉब्लम हो सकती है।

मानसून में ये साबुन निखारेंगे बॉडी की रंगत

बाहरी वातावरण के कारण त्वचा की रंगत पर अच्छा खासा फर्क पड़ता है। दाग-धब्बे , काला पन, संक्रमण, कील-मुहांसे और न जाने कौन-कौन सी परेशानिया स्किन का बुरा हाल कर देती है। इस भागदौड भरी जिंदगी में किसी के पास इतना समय भी नहीं होता के पूरी बॉडी पर अलग-अलग तरह के प्रॉडक्ट का इस्तेमाल किया जाए। बारिश के इस मौसम के कारण डल हुआ त्वचा को साबुन से भी निखारा जा सकता है। आइए जानें कौन से साबुन त्वचा के लिए हैं बैस्ट।

हर्बल साबुन

हर्बल साबुन त्वचा को हर तरह की इंफैक्शन से बचा कर रखते हैं। इस मौसम में बैक्टिरिया बहुत जल्दी पनपते हैं और इनसे बचना बहुत जरूरी है। इसके लिए हर्बल साबुन बैस्ट हैं। यह त्वचा में नमी बरकरार रखने के साथ बीमारियों से भी बचाव रखते हैं।

बायो आलमंड ऑयल

हमेशा बायो ऑयल से बना साबुन ही इस्तेमाल करें। यह शरीर को पोषण देते हैं। यह प्राकृतिक तत्वों से भरपूर होते हैं। जो त्वचा से जुड़ी हर परेशानी को दूर करने में मददगार है। इससे त्वचा मुलायम बनी रहती है।

गुलाब सत्व साबुन

गुलाब सत्व से बना हर्बल साबुन खूशबूदार होने के साथ-साथ त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। इससे त्वचा पर निखार आने के अलावा दाग-धब्बे भी दूर करता है।

लैवेंडर साबुन

यह साबुन त्वचा की खुजली और जलन को दूर करने में मददगार है। इसकी भीनी-भीनी खुशबू ताजगी का अहसास दिलाती है।

चारकोल साबुन

चारकोल युक्त साबुन हर तरह के स्किन के लिए बैस्ट है। यह त्वचा की गंदगी और टॉक्सिन को बाहर निकालने में मददगार हैं। मुहांसो और दाग धब्बों को दूर करने में यह बेहद असरदायक है।

जोड़ों में दर्द होने पर कभी न करें इन चीजों का सेवन

बढ़ती उम्र के साथ ही शरीर की हड्डियां कमजोर हो जाती हैं जिससे जोड़ों मे दर्द होने लगता है। पुरूषों के मुकाबले में महिलाओं में यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है लेकिन आजकल कम उम्र के लोगों को भी जोड़ों में दर्द होने लगता है जिसे गठिया भी कहते हैं। इस समस्या में घुटनों और मांसपेशियों में काफी तेज दर्द होता है जिसके लिए लोग पेनकिलर दवाओं का सेवन करते हैं। इसके अलावा गठिया रोग होने पर खाने-पीने की चीजों में भी काफी परहेज रखना पड़ता है।

तली-भुनी चीजें

जिन लोगों को मांसपेशियों में दर्द रहता है उन्हें तली चीजों का कम सेवन करना चाहिए। इससे हड्डियों में सूजन हो जाती है जिससे दर्द बढ़ जाता है। इसके अलावा डिब्बा बंद चीजें, फ्रोजन सब्जियां और मीट खाने से भी यह समस्या बढ़ जाती है।

ज्यादा गर्म खाना

गठिया के रोगी को अधिक तापमान पर पकी चीजों का सेवन करने से भी बचना चाहिए। माइक्रोवेव या ग्रिलर में बना खाना जोड़ों को नुकसान पहुंचाता है।

चीनी

अधिक मात्रा में मीठी चीजें जैसे चॉकलेट, केक, सॉफ्ट ड्रिंक और मैदे से बनी चीजों को खाने से शरीर में यूरिक एसिड बढ़ जाता है जो गठिया रोग का मेन कारण है।

डेयरी प्रॉडक्ट्स

दूध, दही या किसी भी डेयरी प्रॉडक्ट्स का सेवन करने से शरीर को कैल्शियम मिलता है जो हड्डियों के लिए बहुत जरूरी होता है लेकिन इनका अधिक मात्रा से सेवन करने से जोड़ों में दर्द की समस्या बढ़ जाती है।

शराब और तंबाकू

जिन लोगों को गठिया रोग की समस्या हो उन्हें शराब, सिगरेट और तंबाकू का सेवन करने से बचना चाहिए। इससे शरीर को खतरनाक बीमारियां तो लगती ही हैं साथ में हड्डियों को भी नुकसान पहुंचाता है।

रात को दहीं खाते हैं तो जान लें इसके नुकसान

दही खाना सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, फास्फोरस, जिंक, पोटेशियम और मैग्नेशियम की प्रचुर मात्रा होते हैं। इसमें पाया जाने वाला ओमेगा 3 फैटी एसीड शरीर के लिए बहुत जरूरी होता है। डॉक्टर भी इसे आहार में शामिल करने की सलाह देते हैं लेकिन इसे रात को न खाने की सलाह दी जाती है।

इसका स्वाद खट्टा और पचाने में बहुत समय लेता है। जिससे रात को परेशानी भी हो सकती है। अगर किसी कारण से रात के समय इसका सेवन करना जरूर है तो थोडी सी काली मिर्च या फिर मेथी पाउडर मिलाकर इसे खा सकते हैं। रात को इसे खाने की बजाय अगर इसे दोपहर या फिर सुबह खाएं तो सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद हो सकता है।

रात को दही खाने के नुकसान

1. रात को दही खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और पेट से जुड़ी परेशानिया भी आ सकती हैं।
2. जो लोग रात को रायता या दही से बनी कोई भी चीज खाते हैं, उन्हें खट्टे डकार आने की समस्या हो सकती है।
3. दही खाकर सोने से शरीर में फैट जमना शुरू हो जाता है, इसका कारण यह है कि शरीर इसे सही तरीके से पचा नहीं पाता।
4. जिन लोगों को कफ की दिक्कत है,वह दही का रात के समय सेवन न करें। इसे खाने से बॉडी में कफ जमना शुरू हो जाता है। इससे सर्दी-जुकाम भी बना रहता है।
5. जोड़ों के दर्द ने बेहाल कर रखा है तो रात के समय भूलकर भी दही न खाएं।
6. रात को दही खाने से फेफड़ों में इंफैक्शन होने का डर रहता है।

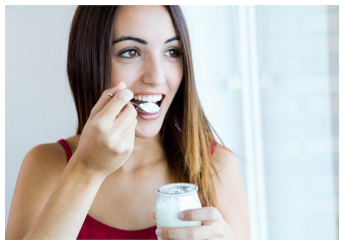

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सोनाक्षी सिन्हा का दमदार कमबैक

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं, वो भी एक दमदार और डरावने किरदार के साथ। उनकी नई फिल्म निकिता रॉय एंड द बुक ऑफ डार्कनेस का ट्रेलर अब रिलीज हो चुका है और इसे देखकर यह साफ है कि दर्शकों को एक सस्पेंस से भरी सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म का अनुभव मिलने वाला है। फिल्म का निर्देशन सोनाक्षी के भाई कुश एस सिन्हा ने किया है और यह एक इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर है, जिसमें हॉरर और सस्पेंस का तगड़ा तड़का लगाया गया है। फिल्म में सोनाक्षी एक इन्वेस्टिगेटर निकिता रॉय की भूमिका निभा रही हैं, जो एक रहस्यमयी स्प्रिचुअल हीलर अमर देव यानि परेश रावल के काले कारनामों की परतें खोलने के मिशन पर निकलती है। फिल्म में जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, वैसे-वैसे डर और रहस्य की परतें भी गहराती जाती हैं। अर्जुन रामपाल फिल्म में एक पैरानॉर्मल रिसर्चर के रोल में नजर आ रहे हैं, जो चश्मे और दाढ़ी वाले लुक में बेहद गंभीर और डार्क दिखते हैं। ट्रेलर के एक सीन में उनका डायलॉग, सत्य दुनिया का सबसे बड़ा झूठ है, फिल्म की गहराई और रहस्य को और भी रोमांचक बना देता है। ऐसा प्रतीत होता है कि उनकी मौत ही निकिता को इस भयानक रहस्य की तह तक जाने को मजबूर करती है। फिल्म में सुहैल नैयर भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। निकिता रॉय को मूल रूप से एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर के तौर पर प्रचारित किया गया था, लेकिन ट्रेलर में अलौकिक तत्वों की झलक ने इसे हॉरर-थ्रिलर फील देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ट्रेलर शेयर करते हुए सोनाक्षी ने लिखा, एक ऐसी दुनिया में आइए, जहां हकीकत धुंधली पड़ जाती है और अज्ञात सच्चाई पर भारी पड़ता है। यह फिल्म 27 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी और सोनाक्षी के फैंस के लिए एक बड़ा तोहफा होगी, जो उन्हें करीब तीन साल बाद बड़े पर्दे पर देखेंगे।

प्रियंका चोपड़ा के बिजी शेड्यूल ने छीना शूर्पणखा का रोल

नितेश तिवारी की मेगा बजट फिल्म ह्यरामायणह्ल को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्साह है। लगभग 800 करोड़ रुपये के बजट में बन रही इस फिल्म में बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री के कई बड़े सितारों को शामिल किया गया है। इस फिल्म को भारतीय सिनेमा की सबसे महंगी फिल्मों में गिना जा रहा है। इतना ही नहीं फिल्म के मेकर्स को उम्मीद है की फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट होगी। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं, वहीं रकुल प्रीत सिंह को शूर्पणखा के अहम किरदार में साइन किया गया है। हालांकि, आपको जानकर हैरानी होगी कि इस किरदार के लिए पहले प्रियंका चोपड़ा को अप्रोच किया गया था। एक रिपोर्ट के मुताबिक, शूर्पणखा के किरदार की कहानी में बेहद अहम भूमिका है और इसी कारण मेकर्स इस किरदार को दमदार बनाना चाहते थे। शूर्पणखा के किरदार के लिए मेकर्स ने प्रियंका चोपड़ा को अप्रोच किया। हालांकि, प्रियंका के इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स और बिजी शेड्यूल के चलते बात नहीं बन पाई। वह सिटाडेल सीजन 2, द ब्लफ और हेड्स ऑफ स्टेट जैसी इंटरनेशनल फिल्मों में व्यस्त हैं। इस वजह से रकुल प्रीत सिंह को इस रोल के लिए चुना गया। एक सूत्र के मुताबिक, रकुल इस किरदार में परफेक्ट फिट हैं और उन्होंने इसमें एक नई इंटेंसिटी और फ्रेशनेस ला दी है, जो इस भूमिका को और भी प्रभावशाली बनाएगी।